24 Page Copy-2-1-22-Front-Black

(9)

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

B.S.E.R. D

क्रम संख्या 2529054

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय हिंदी

परीक्षा का दिन बुधवार

दिनांक 12 मार्च 2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ: 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	4
2	6	20	4
3	6	21	
4	6	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	4	30	
13	4	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4		
18	6	80	अस्सी

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 47344

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

खण्ड अ

12 3.01

(i) (अ)	(ii) (अ)	(iii) (स)	(iv) (ब)	(v) (अ)	(vi) (द)
(vii) (अ)	(viii) (स)	(ix) (अ)	(x) (अ)	(xi) (ब)	(xii) (द)

6 1 3.02. (i) पाँच

1 (ii) अव्ययीभाव

1 (iii) द्वि

1 (iv) परिमाणवाचक

1 (v) भाववाचक

1 (vi) हार

6 1 3.03. (i) ऋतु और त्योहार

1 (ii) भारत में हर दो महीने में ऋतु परिवर्तन होता है।

1 (iii) वर्षा ऋतु में तीज, नागपंचमी और रक्षाबंधन के त्योहार खूब धूम-धाम से ~~बनाए~~ मनाए जाते हैं।

1 (iv) रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहिन के अटूट प्रेम का प्रतीक है।

1 (v) तीज का त्योहार सुख-सौभाग्य की कामना करने के लिए ~~ब~~ मनाया जाता है।

1 (vi) दुर्भाग्य - सौभाग्य

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(6) 1	3.04.	(i) पत्थर और चट्टाने इसका उचित शीर्षक हो सकता।
1		(ii) कवि पत्थर और चट्टानें तोड़ने की बात कर रहा है।
1		(iii) कवि पत्थर और चट्टानें तोड़ने की बात इसीलिए करता है क्योंकि इन्हें तोड़ने से मनुष्य रूपी मन के सारे झूठे बंधन टूट जाएंगे।
1		(iv) मन के मैदानों पर अब व्याप्त है।
1		(v) झूठे बंधन टूटने के बाद हम धरती को जानेंगे।
1		(vi) इसका आशय यह है कि हम ऐसा सुनते रहे हैं कि मिट्टी में ऐसा रस है जिससे दूब आती है

खण्ड ब

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(2)	3.05. (ii)	काशी में हनुमान जयंती के अवसर वहाँ स्थित बालाजी मंदिर में शहनाई का वादन किया जाता है। यह परंपरा वहाँ बहुत पुराने समय से चली आ रही है।
(2)	3.06 (iii)	मन्नू भंडारी की माँ घर का सारा काम करते हुए अपने बच्चों की ख्वाइसें और उनके पिता की आज्ञा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करती थी। यह सब देखकर मन्नू भंडारी ने अपनी माँ को धैर्यवान और सहनशील कहा था।

2 3.07. संगतकार कविता के माध्यम से मंगलेश डबराल जी ने यह बताने का प्रयास किया है कि संगीत में मुख्य गायक -गायिकाओं का साथ देने वाले की भूमिका होती है। संगतकार हमें संगीत के अलवा अन्य क्षेत्र जैसे नाटक, नृत्य आदि में भी देखने को मिलते हैं। संगीत में वे मुख्य गायक के साथ धीमे स्वर में गाते हैं, ऐसा करना उनकी कमजोरी नहीं उनकी मनुष्यता होती है।

2 3.08. 'उत्साह' कविता में निराला ने बादल को क्रांति का प्रतीक माना है। वे बादल कविता में बादल का आह्वान करते हुए उसे गरजते हुए मूसलाधार वर्षा करने को कहते हैं।

2 3.9. भोलानाथ को खाना खिलाने पर मइयाँ का यह कहना था कि "बच्चों का पेट महतारी के हाथ से भरता है" तो वे उनके पिता जी के खाना खिलाने के बाद भी उन्हें अपने हाथों से खाना खिलाती थी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	3.10.	अज्ञेय के अनुसार अनुभव में लेखक स्वयं भोक्ता नहीं मानता है। ये अप्रत्यक्ष रूप से होते हैं जबकि अनुभूति में लेखक स्वयं को भोक्ता मानकर उसे प्रत्यक्ष रूप से महसूस करता है।
2	3.11.	श्री गणेश करना - कार्य का आरंभ करना (शुरू)
		वाक्य ⇒ परीक्षा का समय होते ही परीक्षार्थियों ने उसका श्री गणेश करना चाहिए।
		खण्ड स
5 / 1	3.012. (i)	जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी नए तथ्य का दर्शन किया है, वह व्यक्ति ही वास्तविक अर्थों में संस्कृत व्यक्ति है।
1	(ii)	संस्कृत व्यक्ति की संतान संस्कृत नहीं कहला सकती।
1	(iii)	न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धान्त का आविष्कार किया
1	(iv)	भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी गुरुत्वाकर्षण से परिचित हैं

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(5) 1 3.013. (i) उपर्युक्त काव्यांश के पाठ का नाम राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद है।

1 (ii) सेवक का कार्य सेवा करना होता है।

1 (iii) शिव धनुष तोड़ने वाले को परशुराम जी ने हजारों बाहों के समान शत्रु बताया है।

1 (iv) राम ने अपना परिचय कुछ इस प्रकार दिया कि हे मुनि! जिसने यह शिव धनुष तोड़ा है वे आपका ही कोई सेवक होगा।

(3) 3.014. बालगोबिन भगत की मृत्यु उन्हीं के अनुरूप हुई थी। बालगोबिन भगत ने अपने अंतिम समय तक अपने नियम नहीं तोड़े। उनकी मृत्यु भजन-कीर्तन करते समय ही हुई। बीमार होने पर भी वे दो मील दूर गंगा घाट पर रोज़ स्नान करने जाते।

(3) 3.015. गोपियों ने हरि को हारिल की लकरी इसलिए कहा क्योंकि वे उनके लिए हारिल पक्षी के समान थे ~~कि~~ अर्थात वह पक्षी जो हमेशा लकड़ी को अपने पंजों में दबाए रखता है। उसी प्रकार गोपियाँ भी कृष्ण के प्रेम में हारिल पक्षी के समान हो चुकी थी

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
4	उ० १८० (i)	

2

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
जन्म - 1889
स्थान - गौढ़ाकोला
मृत्यु - 1961
कृतियाँ - हरिगीतिका कुकुरमुत्ता, नए पत्ते आदि

कृतियाँ - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य संग्रह हरिगीतिका, कुकुरमुत्ता नए पत्ते आदि उल्लेखनीय है।

रचनागत विशेषता - उनके काव्य में शोषित, पीड़ित और प्रताड़ित वर्ग के के लिए संवेदना मिलती है तो शोषक वर्ग और राजनैतिक पांखड के प्रति प्रचंड प्रतिकार।

उनके काव्य में प्रकृति प्रेम, देश प्रेम उदात्त चित्र आदि की विशेषता देखी जा सकती है।

उनका काव्य और उनकी रचना व्यंगयात्मक शैली में लिखे गए है।

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

2

(ii)

लेखक - यतीन्द्र मिश्र
जन्म - 1977
स्थान - अयोध्या
मृत्यु - —
कृतियाँ - यदा-कदा, अयोध्या तथा अन्य कथाएँ और ड्योढ़ी का आलाप

कृतियाँ => यतीन्द्र मिश्र की रचनाएँ हैं: यदा-कदा, अयोध्या तथा अन्य कथाएँ और ड्योढ़ी का आलाप आदि। हाल ही में 'सहित' पत्रिका का संपादन भी कर रहे हैं। इन्होंने रीतिकाल के अंतिम कवि द्विजदेव पर भी अपनी रचना रचना की है। वे गायिका गिरीजा देवी के व्यक्तित्व पर भी रचना कर रहे हैं।

रचनागत विशेषता - रचनागत विशेषता - इनके काव्य में आम आदमी के सरोकार विस्तृत है। इनको साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनकी भाषा सरल और बोलचाल की हिंदी में प्रयोग में आने वाली है। इनकी भाषा सहज है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

'खण्ड द'

(5) उ.017. लेखक एक अर्थ में स्वयं हिरोशिमा विस्फोट का भोक्ता जब बना तब उसने एक पत्थर पर उभड़ी परछाईं को देखा और अनुभव किया कि यहाँ उस समय कोई मनुष्य खड़ा होगा जिसमें रेडियो धर्मीता के अणु समा गए होंगे परंतु जब वे अस्पताल पहुँचा तो उसने वहाँ की दशा देखकर अनुभूति करी और बाद में कविता लिखी।

(6) उ.018. यदि मैं प्रधानमंत्री होता

रूपरेखा -:

- प्रस्तावना
- प्रधानमंत्री पद, महत्तव औरअधिकार
- मैं प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहता हूँ।
- प्रधानमंत्री के रूप में भविष्य की योजनाएँ
- उपसंहार

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रस्तावना - इस भारतीय समाज और देश को एक व्यक्ति के सहारे चलाया जाता है जिसका नाम प्रधानमंत्री होता है। यह व्यक्ति जनता द्वारा चुना जाता है और अपने देश का कल्याण करने का साहस रखता। इस व्यक्ति के अनेक कार्य होते हैं और यह एक महत्तवपूर्ण पद है।

प्रधानमंत्री का पद का महत्तव दायित्व और अधिकार - प्रधानमंत्री हमारे देश का अहम हिस्सा है। उसके पास कानून बनाने का अधिकार और उन्हें लागू करना होता है। इस पद का कार्य न केवल कानून का होता है बल्कि अपने देश की जनता का सही - गलत देखना भी होता है। प्रधानमंत्री अपने देश के अलावा दूसरे देशों के बारे में भी परखता है। यह अत्यधिक सौभाग्य की बात हो अगर मैं प्रधानमंत्री बनूं। इसका महत्तव यह है कि परेशानी से जूझती जनता की परेशानी दूर करना और उनसे किए गए वादों को बखूबी निभाना। प्रधानमंत्री का कार्य सारे व्यक्ति का ध्यान रखना है है और जनता के हित में नियम - कायदे बनाना होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मैं प्रधानमंत्री क्यों बनना चाहता हूँ - मैं इस पद पर इसीलिए लगाना चाहूं चाहता हूँ ताकि मुझे देश की दशा पर सुधार करने का मौका मिले। मैं अपने देश को आगे बढ़ाना चाहता हूँ और बदलाव करना चाहता हूँ। हूँ। देश को उन्नति करना चाहता हूँ

प्रधानमंत्री के रूप में भविष्य की योजनाएँ - प्रधानमंत्री होने के नाते मैं अपने देश में शिक्षा मुफ्त करूंगा जिससे सब शिक्षित हो। मैं चिकित्सक सुविधा मुफ्त करूँगा। नदियों को एक-दूसरे मिलाऊँगा जिससे पानी का जल स्तर बढ़ेगा और हमेशा इसके कल्याण के बारे में सोचूगा। सभी धर्मों को समान अधिकार दूँगा।

उपसंहार - हमें हमारी ताकत का फायदा नहीं उठाना चाहिए, लोगों के ~~कल~~ कल्याण के बारे में सोचना चाहिए। एक प्रधानमंत्री को ~~झूठ~~ झूठे वादे नहीं करने चाहिए। प्रधानमंत्री को अपने पार्टी के अलावा दूसरी पार्टियों के विचारों पर भी कार्य करना चाहिए। उन्हे सबका सम्मान करना चाहिए

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	3.019.	सेवा में

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय
पटना

विषय - शैक्षणिक भ्रमण ले जाने हेतु

महोदय
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा -10 में पढ़ने वाला छात्र हूं। पिछले कुछ वर्षों से हमारे विद्यालय में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन नहीं हुआ। यह एक दुखी विषय है क्योंकि इससे छात्रों का मा नैतिक विकास नहीं हो पाया है। उनकी नैतिक शिक्षा में कमजोरी है। यह हमारे छात्रों का दुष्प्रभाव बन चुका है। अतः शीघ्रातिशीघ्र शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाए। आपकी अति कृपा होगी।

आपका आज्ञाकारी शिष्य
नरेन्द्र

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
(5)	3.20	

आपका एक प्रयास बचाए जीवन हजार

नगर निगम, हरिद्वार

जीवन बचाओ

जल संरक्षण

जल ही जीवन है

जल है तो कल है।

पानी बचाओ

"कृपया ध्यान दें पर्यटक पानी का दुपयोग न करें",

"हमारे लिए पानी की एक-एक बूँद कीमती है"।

पानी को बर्बाद न करें। जितना उचित है उतना काम में लिए लेवें।

नगर निगम हरिद्वार द्वारा जनहित में जारी

समाप्त

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025